ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-06-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-04	2025-06-05	2025-06-06	2025-06-07	2025-06-08
वर्षा (मिमी)	10.0	8.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	37.0	38.0	39.0	40.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	22.0	23.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	5	5	140	5	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	6	2	1	0
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (27 मई से 2 जून) 3.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.5 से 39.4oC और 23.2 से 27.5oC के बीच था। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 64-84% और 26-58% के बीच रही, जबकि हवा दक्षिण-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पूर्व, उत्तर-उत्तर-पूर्व और पश्चिम दिशा से 1.0-5.6 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन बादल छाए रहे और मौसम गर्म और आर्द्र रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 3 और 4 जून को 8-10 मिमी की हल्की वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.0-40oC और 21.0-24.0oC के बीच रहने की उम्मीद है। हवा उत्तर और दक्षिण-पूर्व दिशा से 6-8 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। 3 और 4 जून को उत्तराखंड के मैदानी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने/तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने के साथ तूफान आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ तूफान आने / तीव्र से बहुत तीव्र वर्षा होने / तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी मौसम संबंधी और बिजली के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और एप्प सेंटर (आईओएस

उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान 06.06.2025 से 12.06.2025 के दौरान कम वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, 3 और 4 जून को मौसम खराब हो सकता है, इसलिए खेती की गतिविधियों को शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	मध्यम और जल्दी पकने वाली किस्मों की नर्सरी महीने के पहले पखवाड़े में तैयार कर लेनी चाहिए। चावल की रोपाई की नर्सरी गीली या सूखी विधि से तैयार की जा सकती है। सिंचित क्षेत्रों में गीली विधि से नर्सरी रोपाई से 15-20 दिन पहले तैयार की जा सकती है। इसमें पानी डाला जाता है और सभी खरपतवारों को उगने दिया जाता है, जिन्हें बाद में खेत में ही दबा दिया जाता है। वर्षा आधारित क्षेत्रों में सूखी विधि का उपयोग किया जा सकता है। मध्यम अवधि की किस्मों जैसे नरेंद्र-359, पीआर 113 आदि की बुवाई करनी चाहिए। गीली विधि के तहत बुवाई 4-5 सेमी की गहराई पर 20 सेमी की लाइन से लाइन की दूरी पर करनी चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क बिना चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।
सूरजमुखी	परिपक्व सूरजमुखी के सिर को काटा जाना चाहिए और अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए। सुखाने के बाद सूरजमुखी के बीज को अलग करने के लिए छड़ियों का उपयोग किया जाना चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।
काला चना	फसल में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई और सिंचाई का प्रयोग जारी रखना चाहिए तथा अगेती किस्मों में फलियाँ परिपक्व होने पर तुड़ाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में की जानी चाहिए।
मूँग	फसल में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई और सिंचाई का प्रयोग जारी रखना चाहिए तथा अगेती किस्मों में फलियाँ परिपक्व होने पर तुड़ाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में की जानी चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अगेती किस्मों की बुवाई राइजोबियम उपचारित बीजों से की जा सकती है। बुवाई शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में की जानी चाहिए।
गन्ना	शरद ऋतु में बोई गई तथा बसंत ऋतु में बोई गई नई गन्ने की फसल को आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। सिफारिश के अनुसार नाइट्रोजन का प्रयोग करना चाहिए तथा तने के चारों ओर मिट्टी चढ़ाना चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क तथा बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित करना चाहिए।
मक्का	बिक्री के लिए परिपक्व भुटों की कटाई की जानी चाहिए। पक्षियों को डराने का अभ्यास किया जाना चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	गोल बैंगन की बुवाई या रोपाई की जानी चाहिए। रोपाई शाम के समय की जानी चाहिए। पंक्ति से पंक्ति 75 सेमी और पौधे से पौधे 60-75 सेमी की पर्याप्त दूरी बनाए रखी जानी चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।
कद्दू	अगर कद्दू परिवार की फसल पर धब्बे या कर्लिंग दिख रहे हैं, तो ऐसे पौधों को नष्ट कर दें और चूसने वाले कीटों से बचाने के लिए कीटनाशक का इस्तेमाल करें। फूलों को गिरने से बचाने के लिए मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए। खेती की गतिविधियों को सूखे और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।
भिण्डी	तुड़ाई के चरण में, किसी भी प्रकार के कीटनाशक के प्रयोग से बचना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो किसान नीम के तेल का 3 मिली/लीटर पानी में जैविक प्रयोग कर सकते हैं। खेती की गतिविधियों को शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाले दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	किसानों को तैयार मिर्च की फसल की तुड़ाई पूरी करनी चाहिए, साथ ही संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट करना चाहिए (जब मुरझाए हुए और गड्ढेदार पत्ते दिखाई दें) ताकि वायरल रोगों को नियंत्रित किया जा सके और रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सके। ब्लाइट के प्रकोप को रोकने के लिए मैंकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। फूल गिरने से रोकने के लिए फसल में नमी बनाए रखें। खेती की गतिविधियों को बिना किसी चेतावनी के सूखे दिनों में निर्धारित किया जाना चाहिए।
अदरक	फसलों की रोपाई मानसून के मौसम में की जा सकती है और उचित वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखी जानी चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाली स्थितियों में निर्धारित किया जाना चाहिए।
हल्दी	फसलों की रोपाई मानसून के मौसम में की जा सकती है और उचित वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखी जानी चाहिए। खेती की गतिविधियों को शुष्क और बिना किसी चेतावनी वाली स्थितियों में निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	चूंकि मानसून का मौसम आ रहा है, गायें बीमारियों के प्रति संवेदनशील होती हैं, इसलिए समय पर आवश्यक टीकाकरण किया जाना चाहिए।
भेंस	पशुओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता है जिसके लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए: पशुओं को नियमित रूप से नहलाना आवश्यक है। उन्हें अत्यधिक गर्मी में न रखें। अच्छे वेंटिलेशन के लिए एग्जॉस्ट पंखे लगाए जाने चाहिए। मच्छरों के काटने से बचने के लिए मच्छरदानी उपलब्ध कराएं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

मौसम संबंधी कोई महत्वपूर्ण चेतावनी नहीं दी गई है, इसलिए कृषि गतिविधियां जारी रखी जानी चाहिए।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम संबंधी कोई महत्वपूर्ण चेतावनी नहीं दी गई है, इसलिए कृषि गतिविधियां जारी रखी जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details